Study of Indian Banking System

2795. SHRI GHUFRAN AZAM:

DR. JINENDRA KUMAR JAIN:

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a newsitem captioned "Indian banking system unviable" as reported in the Economic Times of the 20th July, 1992;

(b) if so, whether the World Bank and RBI have jointly conducting a study on the Indian banking system and found that there is deterioration in the quality of banking system; and

(c) if so, what are the details of the study report and the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Chambers of Commerce and Industry's suggestion on Taxation

2796. SHRI P. UPENDRA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that several Chambers of Commerce and Industry in the country have advocated single point, single-tax and single authority system, instead of the present arrangements; and

(b) if so, what is the reaction of Government to these suggestions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) and (b) Representations had been received from Trade Industry, and Chambers of Commerce for introduction of single-point sales tax. Sales tax is a State subject and it is an important source of revenue for the States. It is for the States to take up and decide the changes, if any, required in their respective Sales Tax and other State tax laws.

ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की शाखाएं खोलने का मानदंड

2797. **श्री महेश्वर सिंह :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए बैंकों की शाखायें खोलने के क्या मानदंड हैं ;

(ख) क्या पहाड़ी, पिछड़े और दूर-दराज के क्षेत्रों में बैंक की सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए कुछ शर्तों/नियमों में छूट दी जाती है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) से (घ) चूंकि वर्ष 1985–90 की शाखा लाइसेंसिंग नीति में ग्रामीण/अर्ध-शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक बैंक कार्यालय के अंतर्गत आने वाली 17,000 की औसत जनसंख्या के लक्ष्य की तुलना में, अब यह औसत कम हो कर 12,000 हो गया है अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि पिछले वर्षों की भांति किसी भी खास अवधि के लिए जनसंख्या कवरेज जैसे लक्ष्यों सहित कोई भी शाखा विस्तार कार्यक्रम तैयार करने की आवश्यकता नहीं है । ग्रामीण क्षेत्रों में भावी शाखा विस्तार संबंधी दृष्टिकोण अब निम्नलिखित मानदंडों के अनुसार सुस्थापित आवश्यकताओं, कारोबार क्षमता और प्रस्तावित कार्यालय की वित्तीय अर्थक्षमता पर आधारित है ।

(i) किसी बैंक शाखा को आवंटित किया गया सेवा क्षेत्र, अधिक संख्या में आवंटित किए गए गांवों, प्रदान किए जाने वाले संपर्कों की संख्या और किसी क्षेत्र में सेवायें प्रदान करने में अंतर्ग्रस्त अधिक

दूरी वाले/दुर्गम क्षेत्रों के कारण असंचालनीय हो ;

(ii) किसी ग्रामीण शाखा के कारोबार में वृद्धि, जिसके अतिरिक्त बैंक शाखा खोलना न्यायसंगत हो और यह शाखा अर्थक्षम हो सकती है ।

(iii) पर्वतीय/पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों के मामले में, इन क्षेत्रों को विधिवत वेटेज दिया जाना होता है ।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को स्वयं ही ग्रामीण क्षेत्रों में शाखायें खोलने की स्वतंत्रता दी गयी है बशर्ते कि उन्होंने अपेक्षित पूंजी पर्याप्तता संबंधी मानदंडों को पूरा कर लिया हो तथा विवेकपूर्ण लेखा मानकों का अनुपालन करते हों ।

उत्तर प्रदेश द्वारा केन्द्रीय ऋण का उपयोग

2798. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान केंद्रीय सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को प्रतिवर्ष कितनी ऋण सहायता प्रदान की गई ;

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान उक्त सहायता से शुरू/कार्यान्वित किए गए कार्यों/कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) 1991–92 के वर्ष के दौरान राज्य में किन-किन क्षेत्रों में कार्यों/कार्यक्रमों को शुरू/कार्यान्वित किया जा रहा है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शान्ताराम पोटदुखे) : (क) उत्तर प्रदेश सरकार को पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष सामान्य केंद्रीय सहायता, बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं तथा पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रमों के लिए अतिरिक्त केंद्रीय सहायता के अंतर्गत दी गई ऋण सहायता की राशि नीचे दी गई है :—

वर्ष	(करोड़ रुपए में)
1989–90	725.84
1990–91	902.58
1991–92	1340.43

(ख) और (ग) राज्यों को उनके वार्षिक योजना परिव्ययों तथा अन्य क्षेत्र कार्यक्रमों की वित्त व्यवस्था के लिए सहायता एक मुश्त ऋणों तथा एकमुश्त अनुदानों के रूप में दी जाती है और वे किसी खास कार्य/कार्यक्रम से जुड़े हुए नहीं होते हैं ।

Complaint by officers of State Bank of Saurashtra

2799. SHRI P. UPENDRA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Officers of the State Bank of Saurashtra have complained against discriminatory attitude of the State Bank of India towards their bank; and

(b) if so, what action Government have taken to remedy the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) and (b) The information is being collected and to the extent available, will be laid on the Table of the House.

US bank advnces to Indian for purchase of cars made in USA

2800. SHRI CHATURANAN MISHRA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a US Bank advanced money to Indian citizens for purchasing fancy cars made in USA;

(b) if so, whether it is also a fact that musclemen were engaged and cars were